RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 329
दि. 02.04.2026, गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

यूपी के सरकारी स्कूलों में बदला पढ़ाई का समय! अब कितने बजे होगी छुट्टी! क्या है नई टाइमिंग?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों बच्चों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश सरकार ने भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए स्कूलों के समय में कटौती करने का निर्णय लिया है। अब नए सेशन से प्राइमरी स्कूल गर्मियों में केवल 5 घंटे ही खुलेंगे। कोरोना काल के बाद पढ़ाई के नुकसान की भरपाई के लिए जो अतिरिक्त घंटा जोड़ा गया था, उसे अब वापस लेने पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है।

यूपी में कोरोना महामारी से पहले गर्मियों में स्कूल केवल 5 घंटे खुलते थे। हालांकि, लॉकडाउन के कारण बच्चों का कोर्स पिछड़ गया था, जिसकी भरपाई के लिए साल 2022 में सरकार ने जाड़ा और गर्मी दोनों सीजन में स्कूल का समय बढ़ाकर 6 घंटे (दोपहर 2 बजे तक) कर दिया था। इस बीच प्रचंड गर्मी और दोपहर 2 बजे की तपती धूप में बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए अभिभावकों ने समय घटाने की मांग की थी, जिसे अब सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के मुताबिक, सर्दियों में 6 घंटे और गर्मियों में 5 घंटे स्कूल संचालित करने का प्रावधान है। इसी आधार पर बेसिक शिक्षा विभाग अब पुरानी व्यवस्था को बहाल करने की तैयारी कर रहा है। संभावना है कि स्कूलों का नया समय सुबह 7:00 से दोपहर 12:00 बजे या सुबह 8:00 से दोपहर 1:00 बजे तक तय किया जाएगा। विभाग में इसकी आधिकारिक घोषणा को लेकर कवायद तेज हो गई है।

साल 2015 तक की स्थितिः साल 2015 तक उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में गर्मियों के दौरान पढ़ाई का समय सुबह 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक निर्धारित था। इस दौरान बच्चे कुल 5 घंटे स्कूल में

बिताते थे।

साल 2016 में हुआ बदलावः साल 2016 में शासन ने समय में थोड़ा परिवर्तन किया। स्कूलों के खुलने का समय सुबह 8:00 बजे कर दिया गया और छुट्टी दोपहर 1:00 बजे होने लगी। हालांकि, इस बदलाव के बाद भी स्कूल की कुल अवधि 5 घंटे ही बनी रही।

साल 2022 और कोरोना काल का असरः कोरोना महामारी के बाद जब स्कूल दोबारा खुले, तो पाठ्यक्रम (सिलेबस) को समय पर पूरा करने के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया। साल 2022 में स्कूल का समय सुबह 8:00 से बढ़ाकर दोपहर 2:00 बजे तक कर दिया गया। यानी गर्मियों में भी बच्चों को 6 घंटे स्कूल में रुकना पड़ रहा था, जो व्यवस्था वर्तमान तक लागू है।

भारत में पहली बार शुरू हुई डिजिटल जनगणना, पीएम मोदी ने किया शुभारंभ, नागरिकों से भागीदारी की अपील

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपनी स्वयं-गणना पूरी कर जनगणना 2027 के पहले चरण का शुभारंभ किया। इस बार का पहला चरण मकानों की सूची बनाने और आवास संबंधी जानकारी जुटाने पर केंद्रित है और इसे पहली बार पूरी तरह डिजिटल माध्यम से किया जा रहा है।

स्वतंत्रता के बाद यह भारत की आठवीं और कुल 16वीं जनगणना होगी, जिसमें पहली बार स्वयं-गणना का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों का विवरण स्वयं दर्ज करें और इस ऐतिहासिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

पीएम मोदी ने भारतवासियों के लिखी ये पोस्ट

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने लिखा "मैंने अपनी स्वयं-गणना पूरी कर ली है। आज जनगणना 2027 के पहले चरण की शुरूआत का प्रतीक है, जिसमें मकानों की सूची बनाने और आवास संबंधी कार्य शामिल हैं। यह जनगणना पहली बार डिजिटल माध्यमों से डेटा एकत्र कर रही है। यह भारत के लोगों को अपने घरेलू विवरण स्वयं गिनने का अधिकार भी देती है। मैं भारत के लोगों से अपने घरेलू विवरणों की स्वयं-गणना करने और जनगणना प्रक्रिया में भाग लेने की अपील करता हूं।"

यह जनगणना अभ्यास विश्व का सबसे बड़ा होगा, जो पूरी तरह से डिजिटल रूप से संपन्न किया जाएगा।

स्वतंत्रता के बाद यह भारत की आठवीं, और कुल मिलाकर 16वीं जनगणना है। स्वयं-गणना का विकल्प भी पहली बार उपलब्ध कराया गया है।

जनगणना 2027 को दो चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पहला चरण 'मकान सूचीकरण और आवास जनगणना' (HLO) है।

'एवा नम्मावा' विधेयक, 2026 क्या है? कर्नाटक में इंटर-कास्ट, इंटर-रिलिजन कपल्स का कैसे करेगा फुल प्रोटेक्शन?

(जीएनएस)।

कर्नाटक देश का ऐसा राज्य बन चुका है जहां पर 'ऑनर किलिंग' जैसे जघन्य अपराधपर लगाम लगाने के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सिद्धारमैया सरकार ने 'एवा नम्मावा' विधेयक, 2026 पास कर दिया है। जिसका मकसद सिर्फ अपराधियों को सजा देना नहीं, बल्कि खतरे में जी रहे दूसरी जाति में शादी करने वाले जोड़ों को पहले से सुरक्षा देना है।

दरअसल, कर्नाटक सरकार ने ये विधेयक लागू करने का फैसला दिसंबर 2025 में 19 साल की मन्या पाटिल की दर्दनाक हत्या के बाद लिया है। आइए जानते हैं क्‍या है ये मामला और इस कानून से कैसे दूसरी जाति में शादी करने वाले जोड़ों को कर्नाटक के सुरक्षा मिलेगी?

क्या है मान्या पाटिल केस?

मई 2025 में मान्या पाटिल की शादी के बाद, दंपति को परिवार के कड़े विरोध और धमकियों का सामना करना पड़ा, जिसके चलते वो कर्नाटक में स्थित अपने गांव इनाम वीरपुर छोड़कर हावेरी चले गए। पुलिस के हस्तक्षेप और पिता के लिखित आश्वासन के बावजूद, मन्या और विवेकानंद 8 दिसंबर, 2025 को इस उम्मीद में गांव लौटे कि गर्भावस्था से संबंध सुधरेंगे।

पिता और रिश्तेदारों ने कर दी थी मान्या की हत्या

लेकिन 21 दिसंबर, 2025 को उनके पिता प्रकाशगौड़ा पाटिल और अन्य रिश्तेदारों सहित हमलावरों ने उनके घर में कथित तौर पर कथित तौर पर मन्या पर लोहे के पाइपों और छड़ों से बेरहमी से हमला किया। छह-सात महीने की गर्भवती मन्या ने हुब्बल्ली के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। उसके पति के माता-पिता भी उसे बचाने की कोशिश में गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद कर्नाटक सरकार ने ऐसे अपराधों की रोकथाम व निषेध (एवा नम्मावा) विधेयक, 2026' पारित किया है।

एए ठेंए कानून क्‍या है?

कर्नाटक का नया 'एवा नम्मावा' कानून भारतीय न्याय संहिता से आगे जाकर ऐसे जोड़ों को पहले से सुरक्षा देने पर जोर देता है, जिन्हें अपनी पसंद से शादी करने पर खतरा होता है। साफ शब्दों में कहें तो, अब सिर्फ अपराध होने के बाद कार्रवाई नहीं, बल्कि पहले ही बचाव की व्यवस्था की जा रही है।

अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक जोड़े की सुरक्षा कैसे करेगा ये कानून?

अगर किसी जोड़े को खतरा महसूस होता है, तो पुलिस को 6 घंटे के अंदर सुरक्षा देनी होगी। हर जिले में "एवा नम्मावा वेदिके" नाम का प्लेटफॉर्म बनेगा, जहां शादी का रजिस्ट्रेशन, काउंसलिंग और मदद मिलेगी। साथ ही, जरूरत पड़ने पर सुरक्षित रहने की सरकारी व्यवस्था भी उपलब्ध होगी।

इस कानून की खास बात यह है कि अब सिर्फ मारपीट ही नहीं, बल्कि सामाजिक बहिष्कार, जाति से निकालना या किसी को 'मरा हुआ' मानने जैसे पुराने रिवाज भी अपराध माने जाएंगे।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने 2027 जनगणना के लिए ऑनलाइन स्व-गणना प्रपत्र भरा

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज उपराष्ट्रपति भवन में जनगणना 2027 के लिए ऑनलाइन स्व-गणना प्रपत्र भरा।

उपराष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में सभी से स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लेने और अपने-अपने राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेश प्रशासनों द्वारा अधिसूचित अवधि के दौरान आधिकारिक वेब पोर्टल se.census.gov.in के माध्यम से अपने परिवार का ब्यौरा ऑनलाइन जमा करने का आह्वान किया।

जनगणना 2027 सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप आयोजित की जा रही है, जिसमें आंकड़ों के संग्रह और प्रसार की गुणवत्ता, दक्षता और समयबद्धता में सुधार के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग हो रहा है।

राष्ट्रपति ने डॉ. श्री श्री शिवकुमार महास्वामीजी के 119वें जन्मदिन समारोह और गुरुवंदन महोत्सव में भाग लिया

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (1 अप्रैल, 2026) कर्नाटक के तुमकुरु स्थित श्री सिद्धगंगा मठ में डॉ. श्री श्री शिवकुमार महास्वामीजी के 119वें जन्मदिन समारोह और गुरुवंदना महोत्सव में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि श्री शिवकुमार स्वामीजी जैसे संत हमारे समाज और राष्ट्र की आत्मा के साक्षात स्वरूप हैं। यद्यपि उनका भौतिक शरीर 2019 में परम सत्ता में विलीन हो गया, फिर भी उनकी आध्यात्मिकता की धारा समाज और देश दोनों को सदा पोषित और संरक्षित करती रहेगी। उन्होंने अपने आध्यात्मिक कार्यों से मानवता को समृद्ध किया। निर्धनों और वंचितों की सेवा के प्रति समर्पित उनका जीवन कल्याणकारी कार्यों के माध्यम से आध्यात्मिकता को अभिव्यक्त करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

राष्ट्रपति ने स्वामीजी के नेक कार्यों की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए श्री सिद्धगंगा मठ की सराहना की। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि मठ ने प्राथमिक विद्यालय स्तर से लेकर इंजीनियरिंग और प्रबंधन में उच्च शिक्षा तक की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि श्री शिवकुमार स्वामीजी के मार्गदर्शन में स्थापित श्री सिद्धगंगा अस्पताल आम जनता को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि श्री सिद्धगंगा मठ समकालीन युग में सेवा और आध्यात्मिकता की सदियों पुरानी परंपरा को कायम रखते हुए उसे आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में ज्ञान के वरदान को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। ज्ञान और शिक्षा व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण की बुनियाद हैं। शिक्षा ही आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करती है। समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों और ग्रामीण क्षेत्रों के वंचित छात्रों को शिक्षा प्रदान करके, मठ एक समावेशी समाज के निर्माण में अमूल्य योगदान दे रहा है।

किसी राष्ट्र की शक्ति और विकास की दिशा उसकी ऐतिहासिक चेतना से प्रभावित होती हैः लोक सभा अध्यक्ष

संविधान सदन की दीवारों पर लगे भित्तिचित्र भारत की गौरवगाथा को सजीव रूप में प्रस्तुत करते हैंः लोक सभा अध्यक्ष

जो राष्ट्र अपनी विरासत से जुड़े रहते हैं और उससे शक्ति और प्रेरणा प्राप्त करते हैं, वे दृढ़ विश्वास से भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हैंः लोक सभा अध्यक्ष

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने माननीया सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति द्वारा लिखित कॉफी टेबल बुक "टाइड्स ऑफ टाइमः भारत'स हिस्ट्री थ्रू म्यूरल्स इन पार्लियामेंट" का विमोचन किया

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज देश के अतीत और उसके भविष्य के अंतर्निहित संबंध पर बल देते हुए ये विचार व्यक्त किए कि किसी राष्ट्र की शक्ति और उसके विकास की दिशा उसकी ऐतिहासिक चेतना से प्रभावित होती है। भारत की सभ्यतागत यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सदियों से अनेक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, देश ने निरंतर दृढ़ता, साहस और प्रगति के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का परिचय दिया है।

श्री बिरला ने यह विचार प्रिंसेस चैंबर, संविधान सदन, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के माननीय सभापति श्री सी. पी. राधाकृष्णन के साथ संयुक्त रूप से संसद सदस्य, श्रीमती सुधा मूर्ति द्वारा लिखित कॉफी टेबल बुक "टाइड्स ऑफ टाइमः भारत'स हिस्ट्री थ्रू म्यूरल्स इन पार्लियामेंट" का विमोचन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री, संसद सदस्य, पूर्व सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री लिएंडर पेस ने प्रधानमंत्री से भेंट की

श्री लिएंडर पेस ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से

भेंट की। श्री मोदी ने कहा, "भारत को टेनिस में उनकी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है। हमने विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। खेल और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका जुनून वास्तव में सराहनीय है।"

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखाः श्री लिएंडर पेस जी के साथ एक शानदार मुलाकात हुई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के वाव-थारद में विभिन्न विकास कार्यों के शुभारंभ के अवसर पर दिए गए अपने भाषण की कुछ झलकियां साझा कीं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बनासकांठा जिले के वाव-थारद में एक जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने उत्तर गुजरात के लिए लगभग 20,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने नवरात्रि के पवित्र पर्व के अभी हाल ही में संपन्न होने और आज भगवान महावीर की जयंती के अवसर पर माता अंबाजी और भगवान श्री धरणीधरजी को नमन किया।

श्री मोदी ने एक्स पर कई पोस्टों की एक श्रृंखला में कहाः

'आज वाव-थारद की यात्रा इसलिए और भी विशेष है क्योंकि मैं डीसा हवाई अड्डे पर उतरा'

'राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति कांग्रेस की उदासीनता के चलते डीसा एयरपोर्ट का काम लंबे समय तक अटका रहा। हमने इसे प्राथमिकता के साथ पूरा करवाया है, जो इस पूरे क्षेत्र के साथ-साथ देश के लिए भी बहुत उपयोगी होने वाला है।'

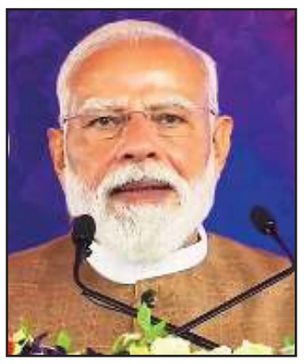

'वाव-थराद सहित इस पूरे इलाके से मेरी बहुत सारी यादें जुड़ी हैं। यहां के लोगों, विशेषकर माताओं-बहनों के स्नेह को मैं कभी भुला नहीं सकता!'

'आज सोलर पावर में गुजरात का परचम पूरी बुलंदी से लहरा रहा है। वो दिन दूर नहीं, जब हमारा यह राज्य Renewable Energy में दुनिया का बहुत बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा।'

'कांग्रेस के शासन में अव्यवस्था और अभावों से जूझता रहा उत्तर गुजरात आज विकास की नई कहानी लिख रहा है। हम यहां जिन कामों को आगे बढ़ा रहे हैं, उनसे वाव-थराद, बनासकांठा, पाटन और मेहसाणा को बहुत लाभ होने वाला है।'

'यह बहुत दुर्भाग्य की बात है कि युद्ध से पैदा हुए वैश्विक संकट में भी कांग्रेस भारत से नफरत करने वाली विदेशी ताकतों की भाषा बोल रही है। हमें उसकी साजिशों से सावधान रहना है।'

केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश सहित सभी लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्रों में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने नेटवर्क गुणवत्ता सुरक्षा मानकों के निर्धारित मानदंड पूरे किए

ट्राई नियमित रूप से दूरसंचार सेवाओं की गुणवत्ता निगरानी करता हैः आंध्र प्रदेश में सभी क्यूओएस मानकों का पालन हो रहा है

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज लोकसभा को आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में दूरसंचार सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में जानकारी दी।

इस विषय पर पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में श्री सिंधिया ने बताया कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए सेवा गुणवत्ता (क्यूओएस) मानक निर्धारित किए हैं और उन्हें अपने टैरिफ दरों में सामान्य डाउनलोड और अपलोड गति घोषित करना अनिवार्य बना है। उन्होंने बताया कि हाल में इन मानकों को और अधिक सख्त बनाया गया है और ट्राई, इनके आधार पर दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के प्रदर्शन की मासिक रिपोर्ट भी प्रकाशित करता है।

केंद्रीय संचार मंत्री ने आगे बताया कि ट्राई ने फरवरी 2026 में वाईएसआर कडप्पा जिले में एक स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) आयोजित किया था। परिणामों से पता चलता है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए कॉल ड्रॉप दर निर्धारित मानक के भीतर थी। अधिकांश ऑपरेटरों के लिए कॉल सेटअप सफलता दर 98 प्रतिशत के मानक को पूरा करती है। मंत्री सिंधिया ने बताया कि ड्राइव टेस्ट के दौरान देखी गई मोबाइल डेटा स्पीड टैरिफ योजनाओं में घोषित सामान्य स्पीड से अधिक थी।

दूरसंचार अवसंरचना का विवरण देते हुए, श्री सिंधिया ने बताया कि वाईएसआर कडप्पा जिले में रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड द्वारा कुल 2,559 रेडियो एक्सेस नोड्स, भारती एयरटेल लिमिटेड द्वारा 1,488, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड द्वारा 563 और भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा 449 रेडियो एक्सेस नोड्स 2जी, 3जी, 4जी और 5जी प्रौद्योगिकियों में तैनात किए गए हैं।

विदेश व्यापार महानिदेशालय ने निर्यात दायित्व मुक्ति प्रमाणपत्रों के शीघ्र निपटान के लिए विशेष अभियान चलाया

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) और निर्यात संवर्धन पूंजीगत वस्तु (ईपीसीजी) योजनाओं के अंतर्गत निर्यात दायित्व मुक्ति प्रमाणपत्रों (ईओडीसी) के शीघ्र निर्गमन के लिए निर्धारित समयबद्ध विशेष अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। यह अभियान 1 मार्च, 2026 से 31 मार्च, 2026 तक चलाया गया और डीजीएफटी के वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में दैनिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से इसकी निगरानी की गई।

ईओडीसी निर्यात दायित्वों के औपचारिक समापन के लिए महत्वपूर्ण साधन हैं। ये बैंक गारंटी और बांड जारी करने में सक्षम बनाते हैं, निर्यातकों की शिकायतों का बोझ कम करते हैं।

बिलसंडा के कनपरी प्राथमिक विद्यालय में नए सत्र की किताबें वितरित, ग्राम प्रधान ने बच्चों के हाथों में थमाई पुस्तकें

(एजेंसी)।

पीलीभीत, जनपद पीलीभीत के विकासखंड बिलसंडा अंतर्गत ग्राम कनपरी के प्राथमिक विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत उत्साह के साथ हुई। यहां सभी छात्र-छात्राओं को नई किताबें वितरित की गईं, जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। यह वितरण नए एडमिशन वाले छात्रों के लिए भी विशेष रूप से आयोजित किया गया, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।कार्यक्रम में स्कूल के हेडमास्टर महेश पाल उपस्थित रहे। उनके साथ मनोज शर्मा और सूरज पाल गंगवार ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। सबसे खास बात यह रही कि ग्राम प्रधान मुन्नी देवी ने अपने हाथों से बच्चों को नई सत्र की पुस्तकें थमाईं।

ग्राम प्रधान ने कहा, "शिक्षा ही गांव के विकास की कुंजी है। हमारा प्रयास रहेगा कि हर बच्चा किताबों से जुड़े और पढ़ाई में आगे बढ़े।"यह आयोजन ग्रामीण शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और ग्राम प्रधान की इस पहल की सराहना की है। नए सत्र में एडमिशन प्रक्रिया भी सुचारू रूप से चल रही है, जिससे गांव के अधिक से अधिक बच्चे स्कूल पहुंच सकें।

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ/ प्रयागराज

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार व 03 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया, कब्जे से चोरी की 05 मोटरसाइकिल बरामद

घटना का संक्षिप्त विवरण–आज

दिनांक–31.03.2026 की रात्रि में थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत सैदाबाद तिराहे पर संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत सैदाबाद स्थित पावरहाउस नहर पुलिया के पास कुछ संदिग्धों के चोरी की मोटरसाइकिल के साथ मौजूद होने की सूचना प्राप्त हुई । इस सूचना पर थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर 01 अभियुक्त शैलेन्द्र पटेल पुत्र उदयराज निवासी ग्राम मोहम्मदाबाद बेलहरा थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया तथा 02 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया । उपरोक्त अभियुक्त व बाल अपचारी के कब्जे से थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0–134/2026 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित चोरी की 01 मोटरसाइकिल बरामद की गयी तथा पूछताछ के आधार पर थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत भेस्की पुलिया के पास 01 अन्य अभियुक्त तीरथ सरोज पुत्र धनेश सरोज निवासी ग्राम सिंधापुर मन्सूराबाद थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज व 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया जिनके कब्जे से विभिन्न थाना क्षेत्रान्तर्गत चोरी की 04 मोटरसाइकिल बरामद की गयी । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0–134/2026 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 में धारा–317(2)/ 317(4)317(5)/ 319(2)/ 318(4)/ 336(3)/ 338/340(2)/342(1) भा0न्या0सं0 की बढ़ोत्तरी की गयी। पुलिस की कार्यवाही–*

श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक–31.03.2026 को थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0–134/2026 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित 01 अभियुक्त शैलेन्द्र पटेल पुत्र उदयराज निवासी ग्राम मोहम्मदाबाद बेलहरा थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत सैदाबाद स्थित पावर हाउस के पास से गिरफ्तार किया गया तथा 02 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया तथा अभियुक्त तीरथ सरोज पुत्र धनेश सरोज निवासी ग्राम सिंधापुर मन्सूराबाद थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत भेस्की पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया तथा 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया । उपरोक्त अभियुक्तों/बाल अपचारी के कब्जे से मुकदमा उपरोक्त में चोरी की मोटरसाइकिल तथा चोरी की 04 अन्य मोटरसाइकिल बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा–317(2)/ 317(4)317(5)/ 319(2)/ 318(4)/ 336(3)/ 338/ 340(2)/342(1) भा0न्या0सं0 की बढ़ोत्तरी कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी ।

पूछताछ का विवरण–

गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि उपरोक्त अभियुक्तों द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर आस-पास के थाना क्षेत्रों में दिन मे घूमकर मौका पाकर मोटरसाइकिल चुरा लिया जाता था तथा आपस में एक-दूसरे के यहां छिपाकर रखते थे एवं उचित दाम मिलने पर चोरी किये गये मोटरसाइकिलों को बेचकर जो पैसा मिलता उससे अपनी जरूरत व शौक पूरे करते थे ।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण–

1. शैलेन्द्र पटेल पुत्र उदयराज निवासी ग्राम मोहम्मदाबाद बेलहरा थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 27 वर्ष ।
2. तीरथ सरोज पुत्र धनेश सरोज निवासी ग्राम सिंधापुर मन्सूराबाद थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 21 वर्ष ।

अभियुक्त शैलेन्द्र पटेल उपरोक्त का आपराधिक इतिहास–

1. मु0अ0सं0–134/2026 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा– 317(2)/ 317(4)317(5)/319(2)/318(4) / 336(3)/ 338/ 340(2)/ 342(1) भा0न्या0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
2. मु0अ0सं0–70/26 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।
3. मु0अ0सं0–49/ 26 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

अभियुक्त तीरथ सरोज उपरोक्त का आपराधिक इतिहास–

1. मु0अ0सं0–134/ 2026 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा– 317(2)/ 317(4)317(5)/ 319(2)/ 318(4)/ 336(3)/ 338/ 340(2)/342(1) भा0न्या0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
2. मु0अ0सं0–70/26 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।
3. मु0अ0सं0–49/26 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

सम्बंधित अभियोग का विवरण–

मु0अ0सं0–134/2026 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा– 317(2)/ 317(4)317(5)/ 319(2)/ 318(4)/ 336(3)/ 338/ 340(2)/342(1) भा0न्या0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

बरामदगी का विवरण–

* हीरो स्प्लेण्डर वाहन सं0 वढ 70 ऋछ1804 (थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0–134/26 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित)
* स्प्लेण्डर प्लस मोटरसाइकिल वाहन सं0– वढ 70 ऋछ 8237 (थाना सरायइनायत पर पंजीकृत मु0अ0सं0–70/26 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित) ।
* स्प्लेण्डर प्लस मोटरसाइकिल वाहन सं0– वढ 70 ऋछ 4686 (थाना फाफामऊ पर पंजीकृत मु0अ0सं0–49/26 धारा–303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित) ।
* स्प्लेण्डर प्लस मोटरसाइकिल वाहन सं0– वढ 70 लऋ 6046 (ऑनलाइन शिकायत दर्ज सं0 202600028773) ।
* स्प्लेण्डर प्लस मोटरसाइकिल वाहन सं0– वढ 70 लअ 5558

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम–

1. प्र0 निरी0 नितेन्द्र कुमार शुक्ला, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
2. व0उ0नि0 रामअनुज सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
3. उ0नि0 गौरव तिवारी, चौकी प्रभारी सैदाबाद थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
4. उ0नि0 गौतम कुमार, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
5. उ0नि0 अनूप वर्मा, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
6. उ0नि0 आसुतोष कुमार, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
7. उ0नि0 अजीत कुमार साहनी, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
8. उ0नि0 विनय सिंह राठौर, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
9. हे0का0 सुब्बाराज राजभर, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
10. हे0का0 अनीश कुमार सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
11. का0 दिनेश सिंह चौहान, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
12. का0 रितुराज सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।
13. का0 प्रदीप दूबे, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

समाजवादी पार्टी के नेता नकली नोट के गिलोह का मास्टरमाइंड निकला

।प्रयागराज में नकली नोटों का बड़ा भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज कमिश्नरी की सरायइनायत पुलिस व एसओजी/सर्विलांस सेल गंगानगर की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली भारतीय मुद्रा बनाने और खपाने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1,18,300 रुपये के जाली नोट, एक कार, एक मोटरसाइकिल समेत नोट छापने के उपकरण बरामद किए हैं।

घेराबंदी कर दबोचे गए आरोपी

पुलिस को 30 मार्च की रात करीब 10 बजे सूचना मिली कि झूंसी हबूसा मोड़ से सहसों मार्ग पर कुछ संदिग्ध व्यक्ति नकली नोटों के साथ मौजूद हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल यादव एवं विवेक कुमार यादव निवासी भदोही तथा नरेन्द्र यादव उर्फ विराट एवं धर्मेन्द्र कुमार निवासी देवरिया शामिल हैं।

नकली नोट बनाने का पूरा सेटअप बरामद

पुलिस ने आरोपियों के पास से 1,18,300 के जाली नोट (₹500 के 200 नोट व ₹100 के 183 नोट)

कार व मोटरसाइकिल, लैपटॉप, 2 प्रिंटर, 5 मोबाइल फोन, इंकजेट पेपर व बॉन्ड पेपर सहित अन्य उपकरण बरामद किए हैं।

देवरिया में बनते थे नकली नोट

पूछताछ में सामने आया कि गिरोह संगठित तरीके से काम कर रहा था। आरोपी देवरिया में एक कमरे में लैपटॉप व प्रिंटर की मदद से नकली नोट छापते थे और फिर उन्हें छोटे ग्रामीण बाजारों में 100-500 रुपये के रूप में खपाने की योजना बनाते थे, ताकि आसानी से पकड़ में न आएं। इस पूरे नेटवर्क का संचालन एक अन्य आरोपी विवेक यादव (गौरी बाजार, देवरिया) द्वारा किया जाताा था, जो फिलहाल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है।

पहले भी जेल जा चुका है मुख्य आरोपी

गिरफ्तार अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार पूर्व में भी नकली नोट के मामले में देवरिया के रामपुर करखाना थाना से जेल जा चुका है। वहीं विवेक कुमार यादव पर भी पूर्व से आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस का सख्त अभियान जारी

पुलिस आयुक्त व वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नकली नोट गिरोहों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी और फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मुकदमा दर्ज

थाना सरायइनायत में धारा 178/179/180 भा.न्या.सं. में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बीसलपुर प्राथमिक विद्यालय में खंड शिक्षा अधिकारी हर्षित शर्मा और एसडीएम नागेंद्र पाण्डेय ने किया बच्चों का सम्मानित

(एजेंसी)।

पीलीभीत, 1 अप्रैल 2026: जनपद पीलीभीत के बीसलपुर खंड शिक्षा अधिकारी हर्षित शर्मा और एसडीएम नागेंद्र पाण्डेय ने पी एम श्री प्राथमिक विद्यालय दुबे का दौरा कर छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का सम्मान किया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने बच्चों को उनके परीक्षा परिणाम की जानकारी दी और प्रमाण-पत्र वितरित किए।परिणाम वितरण के बाद बच्चों को शील्ड, पाठ्यपुस्तकें

और कॉपियां भेंट की गईं, ताकि वे अपनी पढ़ाई में और प्रगति कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक सौरभ बाजपेयी, शिक्षामित्र अमरीन गीता और बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है।यह आयोजन स्थानीय स्तर पर शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में उत्साह का संचार हुआ।

बिल्हौर मार्ग पर एक सड़क हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल

(एजेंसी)। उन्नाव

बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में बिल्हौर मार्ग पर बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गंगा पुल के निकट एक अनियंत्रित बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई। घायल युवक को जिला पंचायत सदस्य गगन सिंह और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह ने अस्पताल पहुंचाया।

यह घटना बुधवार दोपहर करीब दो बजे हुई। सामने से आए एक वाहन को बचाने के प्रयास में बाइक सवार अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी

कि बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल युवक की पहचान ग्लोरियापुरवा थानाजी बिल्हौर निवासी सौरभ सिंह (25) पुत्र रामसिंह के रूप में हुई है। सौरभ किसी काम से हरदोई गया था और वहां से अपने घर लौट रहा था, तभी यह हादसा हुआ।

हादसे के समय उधर से गुजर रहे जिला पंचायत सदस्य बिल्हौर गगन सिंह और कार में सवार ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह ने तुरंत घायल युवक को उठाया। उन्होंने तत्काल एक ऑटो की मदद से उसे निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलने के बाद अस्पताल पहुंचे परिजनों का बुरा हाल है। स्थानीय लोगों, जिनमें नारायण और रामकुमार शामिल हैं, ने बताया कि हादसे के बाद कई वाहन गुजरे, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। जिला पंचायत सदस्य गगन

आसत चौराहे पर एक सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल

(एजेंसी)।

उन्नाव के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में आसत चौराहे पर एक सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए। एक तेज रफ्तार बाइक पैदल जा रहे युवक से टकरा गई, जिससे बाइक सवार पति-पत्नी, उनकी मासूम बच्ची और पैदल यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह घटना लखनऊ मार्ग स्थित आसत चौराहे पर हुई। जानकारी के अनुसार, फतेहपुर हमजा निवासी रिजवान (45 वर्ष) अपनी पत्नी सोफिया (42 वर्ष) और 5 वर्षीय बेटी अलमैया के साथ बाइक से बांगरमऊ से असत की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान, आसत गांव निवासी बबलू राठौर (35 वर्ष) सड़क पार कर रहे थे और अचानक बाइक के सामने आ गए। बाइक चालक ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन बाइक अनियंत्रित होकर बबलू राठौर से जा टकराई।

इस टक्कर में बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बाइक सवार तीनों लोग (रिजवान, सोफिया, अलमैया) तथा पैदल यात्री बबलू राठौर गंभीर रूप से घायल हो गए।

आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत सभी घायलों को डायल 108 एंबुलेंस की मदद से बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद, चिकित्सकों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया।

किसानों की अनदेखी भारी पड़ेगी, बड़े आंदोलन की तैयारी में भाकियू भानु

(एजेंसी)।

पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (भानु) की मासिक पंचायत बुधवार को मंडी समिति स्थित किसान विश्रामगृह में जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पंचायत का संचालन जिला उपाध्यक्ष बाबूराम वर्मा ने किया। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए गए।पंचायत को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने कहा कि शासन की नीतियों के अनुरूप किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। जनपद में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, जिससे किसानों का खुला शोषण हो रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करते हुए बड़े आंदोलन की तैयारी करने का आह्वान किया।जिला उपाध्यक्ष बाबूराम वर्मा ने आरोप लगाया कि अधिकारियों द्वारा किसानों की शिकायतों का फर्जी निस्तारण किया जा रहा है, जो मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि संगठन के कार्यकर्ता शीघ्र ही गोरखपुर जाकर मुख्यमंत्री को किसानों की समस्याओं से अवगत कराएंगे, ताकि पीड़ित किसानों को न्याय मिल सके।जिला सचिव बालमुकुंद प्रजापति ने किसानों को गेहूं विक्रय के लिए समय से पंजीकरण कराने की सलाह दी, जिससे सरकारी खरीद में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। वहीं कोषाध्यक्ष रोहन सिंह ने संगठन की कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान की शपथ लेने वाले ही किसानों का उत्पीड़न कर रहे हैं।नगर अध्यक्ष जहानाबाद सियाराम गंगवार ने पीलीभीत से जहानाबाद होते हुए रेल लाइन निर्माण की मांग का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र के किसानों को रेल सुविधा मिलेगी और यह एक जनहित का महत्वपूर्ण कार्य होगा। इसके लिए जल्द ही एक विशाल पंचायत कर जनप्रतिनिधियों और रेलवे विभाग को ज्ञापन सौंपा जाएगा।ब्लॉक अध्यक्ष बिलसंडा राकेश यादव ने राजस्व और पुलिस प्रशासन पर किसानों के साथ पक्षपात करने का आरोप लगाया और इस पर गहरी चिंता व्यक्त की किसानों की समस्याओं का निस्तारण नहीं हुआ है। पंचायत में मौजूद अन्य किसानों ने भी प्रशासन द्वारा समस्याओं की अनदेखी और विकास कार्यों में कमी को लेकर भारी आक्रोश जताया।इस दौरान बड़ी संख्या में किसान और संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।पंचायत में जिला अध्यक्ष भजन लाल क्रोधी, बाबूराम वर्मा जिला उपाध्यक्ष, बालमुकुन्द जिला सचिव, महेंद्र पाल गंगवार पूर्व सैनिक तहसील अध्यक्ष, दीनदयाल शास्त्री तहसील मीडिय प्रभारी,राकेश प्रताप यादव बिलसंडा ब्लॉक अध्यक्ष,गयाप्रसाद वरिष्ठ ब्लॉक उपाध्यक्ष, सियाराम नगर अध्यक्ष जहानाबाद, रोहनसिंह कोषाध्यक्ष, दौलत सिंह विधानसभा महासचिव अमरिया, निसार शाह जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा, जयन्ती देवी,उर्मिला देवी,मुन्नी देवी, रामलली,कमलादेवी, पार्वती देवी, तारावती, वेदवती, अनिल शर्मा के अलावा अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गौहनिया पंचायत में विकास के नाम पर घोटाला ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, भाकियू से लगाई न्याय की गुहार

(एजेंसी)।

पीलीभीत बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत गौहनिया में विकास कार्यों के नाम पर बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। आरोप है कि ग्राम प्रधान ने बिना कोई कार्य कराए ही ग्राम निधि खाते से भारी धनराशि निकालकर बंदरबांट कर दी।ग्रामीणों का कहना है कि कागजों में विकास कार्य पूरे दिखाए जा रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। गांव में न तो सड़कों का निर्माण हुआ, न ही अन्य मूलभूत सुविधाओं पर कोई काम नजर आ रहा है। इसके बावजूद लाखों रुपये खर्च दिखाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस गंभीर भ्रष्टाचार की शिकायत कई बार उच्च अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन हर बार मामले को दबाने का प्रयास किया गया। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी भी इस पूरे खेल में मौन साधे हुए हैं, जिससे भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद हैं।अब परेशान होकर ग्रामीणों ने भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेताओं का दरवाजा खटखटाया है। भाकियू नेताओं ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भ्रष्टाचार की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि ग्राम निधि खाते से अवैध तरीके से बड़ी रकम निकाली गई है, जिसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।ग्रामीणों की मांगः

पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो

दोषी प्रधान और संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो

ग्राम निधि के खर्च का सार्वजनिक लेखा-जोखा दिया जाए

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है या फिर एक बार फिर भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

भारतीय विदेश नीति में पड़ोसी को अत्यधिक महत्व

संकट का साथी, संकटग्रस्त पश्चिम एशिया के कारण उत्पन्न स्थिति से भारत में खुद ही लोग चिंतित हैं किन्तु सरकार ने अपने पड़ोसी बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल के साथ आत्मीयता दिखाते हुए संकट काल में उनकी मदद करके यह साबित कर दिया है कि भारतीय विदेश नीति में पड़ोसी को कितना महत्व मिलता है। उल्लेखनीय है कि भारत नेपाल को अपने सभी ईंधन यानि पेट्रोल, डीजल, एलपीजी जरूरतों के लिए आपूर्ति करता है जो बिहार के रक्सौल से अमलेखगंज (नेपाल) तक पाइप लाइन और टैकरों के माध्यम से पहुंचाया जाता है। नेपाल की लगभग 35-40 लाख टन की मासिक खपत है जिसकी आपूर्ति में भारत ने कोई बाधा नहीं आने दी। भारत में भले ही लोग परेशान दिख रहे हैं किन्तु नेपाल में यह दृढ़ धारणा है कि 41 देशों से तेल-गैस का आयात करने वाला भारत इस पर्वतीय देश का ध्यान रखेगा।

दरअसल गत सप्ताह भारत ने श्रीलंका और बांग्लादेश को तेल-संकट से उबारा तो पूरी दुनिया में इस बात की चर्चा हुई है कि विश्व की सबसे विशाल जनसंख्या वाला देश भारत अपने पड़ोसियों को संकटग्रास्त नहीं देखना चाहता। भारत ने बांग्लादेश को 5000 टन अतिरिक्त डीजल देकर उसे एहसास कराया कि भारत उसकी मदद करने में पीछे नहीं रहेगा।

श्रीलंका को 38 लाख मीट्रिक टन डीजल और पेट्रोल भेजा। इसमें 18000 टन पेट्रोल और 20 हजार टन डीजल था। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरावुमारा दिसानायके और विपक्ष के नेता सजित प्रोमदासा ने भारत के इस सदाशयता की मुक्तवंठ से प्राशंसा की। सच तो यह है कि भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्राति संवेदनशील रहा है। देश में प्राधानमंत्री कोई भी हो उसने पड़ोसियों के प्राति हमेशा सहृदयता का परिचय दिया है। ऐसा इसलिए है कि भारतीय संस्वृति में दूसरों की मदद करने का भाव निहित है। पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा जी, राजीव गांधी, अटल जी सभी ने पड़ोसियों के प्राति संवेदनशीलता दिखाई है। सवाल उठता है कि जब भारत अपने पड़ोसियों के प्राति इतना ही संवेदनशील है तो पाकिस्तान के प्राति इतना कठोर क्यों है? सच तो यह है कि विभाजन के वुछ दिनों बाद भारत के प्राधानमंत्री खुद पाकिस्तान की यात्रा पर गए थे और उन्होंने न सिर्प वहां की जनता को इस बात से आश्वस्त किया था कि भारत ने विभाजन को स्वीकार कर लिया है बल्कि वहां के लोगों को शांति और समृद्धि के लिए शुभकामनाएं भी दी थीं। सिन्धु जल समझौता 1960 प्राधानमंत्री नेहरू की पाकिस्तान के प्राति सहृदयता का ही प्रातीक है। इंदिरा जी ने भी शिमला समझौते सहित कई अवसरों पर पाकिस्तान की जनता के प्राति सदाशयता का परिचय दिया था। पूर्व प्राधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और शुरूआत में नरेन्द्र मोदी ने भी पाकिस्तान को इस बात का एहसास कराया था कि यदि इस्लामाबाद भारत के साथ कोई छल नहीं करे तो भारत उसके हर सुख-दुख में साथ देगा। किन्तु विश्वासघाती पाकिस्तान अपनी वुटिलता से बाज आने वाला नहीं है। उसने अटल जी की बस यात्रा के बदले कारगिल दिया तो मोदी सरकार के कार्यकाल में पठानकोट से लेकर पहलगाम तक इतनी दुष्टता कर दी कि नए भारत को यह समझने में देर नहीं लगी कि पाकिस्तान अपने अस्तित्व के लिए भारत के साथ दुश्मनी की अनिवार्यता को स्वीकार कर चुका है। पाकिस्तान के राजनेता अच्छी तरह जानते हैं कि उनका सैन्य प्रातिष्ठान भारत के साथ शांति से रहकर अपने बजट में कटौती नहीं करवाएगा। पाकिस्तान जानता है कि उसने जम्मू-कश्मीर के जितने भाग पर हमला करके अपने कब्जे में कर रखा है, वह भी उससे संभाले नहीं संभल रहा है तो वह भारत के जम्मू-कश्मीर लेने की बात सोच भी वैसे सकता है। किन्तु सेना को खुश रखने के लिए राजनेता भी जनता को ह्यकश्मीर बनेगा पाकिस्तानह्न छाप चूरन बांटते रहते हैं। यही कारण है कि सारे पड़ोसियों को भारत पामि एशिया में आए संघर्षजन्य संकट से उबरने की गारंटी देता है किन्तु पाकिस्तान के प्राति कठोरता की रणनीति अपनाए हुए है। भारत के साथ दुश्मनी करके पाकिस्तान बर्बाद ही हो रहा है किन्तु शायद उसे इस बात का एहसास तब हो जब बबार्दी की उसकी सारी संभावनाएं समाप्त हो जाएं।

उपराष्ट्रपति ने सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति द्वारा लिखित पुस्तक 'टाइड्स ऑफ टाइमः भारतस हिस्ट्री थ्रू मुरल्सट इन पार्लियामेंट' का विमोचन किया

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान सदन में बने भित्तिचित्र मात्र कलाकृतियां नहीं हैं, बल्कि भारत की सभ्यतागत यात्रा को दशार्ने वाली दृश्य कथाएं हैं

उपराष्ट्रपति ने संसदीय भित्तिचित्रों की शाश्वत सुंदरता और गहन प्रतीकात्मकता को चित्रित करने के लिए श्रीमती सुधा मूर्ति की प्रशंसा की

उपराष्ट्रपति ने भारत को "लोकतंत्र की जननी" कहा और भारत की निरंतर, समावेशी और गहरी जड़ें जमा चुकी लोकतांत्रिक परंपराओं पर प्रकाश डाला

भारत हमेशा से एक रहा है और हमेशा एक रहेगाः उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के अध्यक्ष श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली के संविधान सदन में लोकसभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित और राज्यसभा सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति द्वारा लिखित पुस्तक 'टाइड्स ऑफ टाइमः भारतस हिस्ट्री थ्रू मुरल्स इन पार्लियामेंट का विमोचन किया।

उपराष्ट्रपति ने सभा को संबोधित करते हुए इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और श्रीमती सुधा मूर्ति की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने संसद की भित्ति चित्रों की शाश्वत सुंदरता और गहन प्रतीकात्मकता को बखूबी दशार्या है। उपराष्ट्रपति ने पीढ़ियों से लोगों को इतिहास से जोड़ने के उनके प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संविधान सदन के भित्ति चित्र मात्र कलाकृतियां नहीं हैं, बल्कि भारत की सभ्यतागत यात्रा को प्रतिबिंबित करने वाली दृश्य कथाएं हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर में वैशाली से लेकर दक्षिण में कुडावोलाई प्रणाली तक, भारत में लोकतांत्रिक प्रथाएं निरंतर, समावेशी

और समाज में गहराई से समाई हुई हैं। उन्होंने कहा कि ये परंपराएं एक व्यापक सभ्यतागत लोकाचार का हिस्सा हैं जो संवाद, सहमति और विविध विचारों के सम्मान को महत्व देता है, जिससे भारत को "लोकतंत्र की जननी" कहा जाता है।

उपराष्ट्रपति ने महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती को उद्धृत करते हुए भारत की ज्ञान, गरिमा, दानशीलता और सांस्कृतिक गहराई की समृद्धि को रेखांकित किया और कहा कि इस तरह की नींव स्वाभाविक रूप से समावेशिता और सभी के लिए सम्मान को बढ़ावा देती है।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संसद भवन में पारंपरिक प्रतीकों के समावेश की सराहना की। उन्होंने संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के संबोधन के दौरान चोल वंश के पवित्र सेन्गोल के औपचारिक प्रदर्शन का भी उल्लेख किया और इसे आधुनिक भारत को उसकी सभ्यतागत जड़ों से जोड़ने वाला एक सशक्त प्रतीक बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संसद एक जीवंत लोकतंत्र, संवाद, वाद-विवाद, असहमति और चर्चा के मूल सिद्धांतों का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यद्यपि चर्चा, वाद-विवाद और असहमति महत्वपूर्ण हैं, फिर भी अंततः इनका योगदान राष्ट्रीय हित में रचनात्मक निर्णय लेने में होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने इस पुस्तक को भारत की सभ्यतागत यात्रा के लिए एक उल्लेखनीय सम्मान बताते हुए कहा कि इसमें 124 भित्ति चित्रों के वर्णन के माध्यम से इतिहास को जीवंत कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर महर्षि वाल्मीकि और चाणक्य जैसे महान विचारकों के ज्ञान और महावीर और गौतम बुद्ध की आध्यात्मिक शिक्षाओं तक के इतिहास को समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भारत की प्रारंभिक लोकतांत्रिक परंपराओं, अशोक और छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे शासकों की उपलब्धियों और कोणार्क सूर्य मंदिर जैसे स्मारकों और भक्ति आंदोलन जैसे आंदोलनों में परिलक्षित सांस्कृतिक समृद्धि को भी उजागर करती है।

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भारत के स्वतंत्रता संग्राम को श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिसमें दांडी मार्च जैसे आंदोलन और महात्मा गांधी एवं सुभाष चंद्र बोस जैसे महान नेताओं के

पुलिस कर्मियों के लिए तनाव प्रबंधन पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की जन स्वास्थ्य परियोजना की प्रभावशीलता, 35,704 पुलिसकर्मियों को जागरूक किया गया

मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तिगत कल्याण और समाज के प्रभावी कामकाज की आधारशिला है: निदेशक, एआईआईए

(जीएनएस)।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली ने महामारी के दौरान ह्नपुलिस कर्मियों के लिए आयुर्वेद पद्धतियों द्वारा तनाव प्रबंधनह्न शीर्षक से एक जन स्वास्थ्य पहल (पीएचआई) परियोजना शुरू की, जिसका उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है। अब तक, इस परियोजना ने 35,704 पुलिस कर्मियों में जागरूकता पैदा की है और संस्थान के लिए इसे एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

एआईआईए के निदेशक, प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानसिक स्वास्थ्य की परिभाषा का उल्लेख किया, जिसके अनुसार मानसिक स्वास्थ्य एक ऐसी अवस्था है जिसमें व्यक्ति अपनी क्षमताओं को पहचानता है, जीवन के सामान्य तनावों का सामना कर सकता है, उत्पादक रूप से कार्य कर सकता है और समाज में योगदान दे सकता है। इस सकारात्मक अर्थ में, मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तिगत कल्याण और समाज के प्रभावी कामकाज की नींव है।

इस परियोजना का नेतृत्व प्रोफेसर (डॉ.) मेधा कुलकर्णी, प्रधान अन्वेषक (पीआई), और सह-प्रधान अन्वेषक (को-पीआई) प्रोफेसर (डॉ.) मीना देवगड़े कर रही हैं। इस पहल के तहत टीम ने तनाव प्रबंधन के लिए एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन भी विकसित किया है। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (कल्याण विभाग) श्री अतुल कटियार, आईपीएस ने आयुर्वेद की भूमिका और महत्व की सराहना करते हुए इसकी शाश्वत ज्ञान और समग्र उपचार शक्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने पीएचआई परियोजना के लिए संस्थान को धन्यवाद भी दिया।

परियोजना के बारे में बात करते हुए, प्रोफेसर (डॉ.) मीना देवगड़े ने कहा कि पुलिसकर्मी अक्सर अत्यधिक शारीरिक और मानसिक दबाव में काम करते हैं, जिससे वे तनाव संबंधी विकारों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य आयुर्वेद पर आधारित एक समग्र, निवारक और उपचारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करना है ताकि उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखा जा सके। उन्होंने कहा कि उत्साहजनक प्रतिक्रिया और मापने योग्य परिणाम आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता को दशार्ते हैं।

परियोजना टीम ने 206 शिविरों का आयोजन किया, जहाँ 7,752 पुलिस कर्मियों की तनाव, उच्च रक्तचाप और संबंधित स्थितियों के लिए जाँच की गई। इनमें से 1,843 कर्मियों को आयुर्वेदिक उपचार प्रदान किए गए, जिनमें आंतरिक औषधियाँ और शिरोधारा जैसी चिकित्साएँ शामिल थीं। दिल्ली पुलिस के कल्याण विभाग ने दो इकाइयों में स्थान उपलब्ध कराकर इस पहल को सुगम बनाया।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली ने 24 मार्च, 2026 को पीएचआई परियोजना की एक दिवसीय प्रसार कार्यशाला का भी आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (कल्याण विभाग) श्री अतुल कटियार, आईपीएस थे। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सलाहकार डॉ. कौस्तुभ उपाध्याय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सत्र की अध्यक्षता एआईआईए के निदेशक प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की। आयुष मंत्रालय की पीएचआई परियोजना की जन स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. सुनीला गर्ग भी उपस्थित थीं।

कार्यशाला में विशेषज्ञों के व्याख्यान भी हुए। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट स्थित उत्तर पूर्वी आयुर्वेद एवं लोक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (एनईआईएएफएमआर) की सहायक प्रोफेसर डॉ. सजीना ए. ने ह्नस्मृति ध्यान के माध्यम से तनाव प्रबंधनह्न विषय पर एक सत्र प्रस्तुत किया। केरल के कोट्टक्कल स्थित वीपीएसवी आयुर्वेद कॉलेज की डॉ. अनुपमा कृष्णन ने ह्नजब काम मन को विचलित करता हैः व्यावसायिक तनाव और इसका आयुर्वेदिक प्रबंधनह्न विषय पर बात की, जिसमें आयुर्वेद पर आधारित समग्र और निवारक रणनीतियों पर जोर दिया गया।

यह कार्यशाला शोध निष्कर्षों के प्रसार और व्यावसायिक तनाव, विशेष रूप से पुलिस कर्मियों जैसे उच्च जोखिम वाले व्यवसायों से निपटने में आयुर्वेद की भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई।

अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के भारत के पहले समर्पित वेंचर कैपिटल फंड में तेजी आई; वित्तीय वर्ष 2027 से निवेश की उम्मीदः डॉ. जितेंद्र सिंह

अंतरिक्ष वेंचर फंड ₹1,005 करोड़ के कोष के साथ क्रियान्वित; वित्तीय वर्ष 2027 से निवेश की उम्मीदः डॉ. जितेंद्र सिंह

अंतरिक्ष स्टार्टअप फंड के लिए सेबी के बाद की औपचारिकताएं पूरी की गईं; निवेश चक्र जल्द होगा शुरूः डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में लिखित उत्तर में जानकारी दी

(एजेंसी)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए भारत का समर्पित वेंचर कैपिटल फंड तेजी से प्रगति कर रहा है और वित्तीय वर्ष 2027 की पहली तिमाही से चयनित स्टार्टअप्स में निवेश शुरू होने की उम्मीद है।

संसद के मौजूदा बजट सत्र के दौरान लोकसभा में एक अतारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में, डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि भारत के उभरते स्पेसटेक इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए स्थापित "अंतरिक्ष वेंचर कैपिटल फंड" को अब प्रमुख संस्थागत तंत्र के साथ संचालित किया गया है।

श्री बस्तीपति नागराजू ने अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए वेंचर कैपिटल फंड के तहत स्थिति, निवेश, लाभार्थियों, रिटर्न और रोजगार सृजन के संबंध में प्रश्न पूछा था।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि इस फंड की स्थापना सिडबी वेंचर कैपिटल लिमिटेड (एसवीसीएल) द्वारा निवेश प्रबंधक के रूप में की गई है। इस फंड को 31 अक्टूबर, 2025 को सेबी से पंजीकरण प्राप्त हुआ, और 10 नवंबर, 2025 को ₹1,005 करोड़ के प्रतिबद्ध कोष के साथ इसकी प्रारंभिक क्लोजिंग पूरी हुई।

अब तक हुई प्रगति के बारे में बताते हुए, मंत्री ने कहा कि पंजीकरण

के बाद की जरूरी औपचारिकताएं—जिनमें कस्टोडियन की नियुक्ति, अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआईएफ) यूनिट जारी करने के लिए डिपॉजिटरी के साथ पंजीकरण, और स्क्रीनिंग व निवेश समितियों का गठन शामिल है—पूरी कर ली गई हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह भी बताया कि स्पेसटेक स्टार्टअप्स का मूल्यांकन किया जा रहा है, और जिसमें प्री-इन्वेस्टमेंट कमेटी की स्वीकृति मिलने के बाद चार प्रस्ताव पहले से ही उन्नत चरण में हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के स्पेसटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम के अभी शुरूआती चरण में होने के कारण, कई स्टार्टअप्स को संस्थागत निवेश प्रक्रियाओं के अनुरूप ढलने के लिए समुचित मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स को "आवश्यक सहायता" प्रदान की जा रही है, ताकि वे अपने डेटा को व्यवस्थित कर सकें, दस्तावेजीकरण में सुधार कर सकें और उचित जांच-पड़ताल संबंधी जरूरतों को पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि इस सहायक दृष्टिकोण का उद्देश्य स्टार्टअप्स को प्रभावी ढंग से फंडिंग हासिल करने और अपने नवाचारों का विस्तार करने में सक्षम बनाना है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि विस्तृत मूल्यांकन, तीसरे पक्ष द्वारा उचित जांच-पड़ताल और दस्तावेजीकरण के पूरा होने के बाद, वित्तीय वर्ष 2027 की शुरूआत में फंडिंग की स्वीकृति और वितरण का पहला चरण शुरू होने की उम्मीद है।

वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष इकोसिस्टम को बढ़ावा देने को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह पहल निजी क्षेत्र की भागीदारी को मजबूत करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और भारत को वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'युविका' कार्यक्रम युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाकर, अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भावी करियर के लिए प्रेरित कर रहा हैः डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में लिखित उत्तर में जानकारी दी

सरकार 'युविका' कार्यक्रम के माध्यम से अंतरिक्ष क्षेत्र में शुरूआती स्तर पर ही प्रतिभाओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है; इस कार्यक्रम से 1,320 छात्रों को लाभ मिला, जो अंतरिक्ष विज्ञान में बढ़ती रुचि को दशार्ता हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

'युविका' जैसी लक्षित पहलों के माध्यम से युवाओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया जा रहा है और योग्यता-आधारित चयन से कार्यक्रम में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज युवाओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 'युवा विज्ञानी कार्यक्रम' (युविका) स्कूली छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

संसद के मौजूदा बजट सत्र के दौरान लोकसभा में श्रीमती अनीता नागरसिंह चौहान द्वारा पूछे गए एक अतारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि 'युविका' को विशेष रूप से प्रारंभिक चरण में छात्रों के बीच अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने विस्तार से बताया कि यह कार्यक्रम पूरे देश में कक्षा 9 में पढ़ने वाले छात्रों के लिए है। इसका उद्देश्य उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इसके अनुप्रयोगों की बुनियादी समझ प्रदान करना है, साथ ही उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान को भावी करियर के रूप में चुनने के लिए प्रेरित करना भी है।

चयन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि छात्रों को उनकी शैक्षणिक योग्यताओं की ऑनलाइन स्क्रीनिंग और उसके बाद एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाता है। अंतिम चयन, क्रेडेंशियल्स (योग्यता) के

राज्यों के साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री की समीक्षा बैठकः किसान आईडी, उर्वरक की उपलब्धता और पीएम-आशा के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

19 राज्यों में अब तक 9.25 करोड़ किसान आईडी बनाई जा चुकी हैं- श्री शिवराज सिंह चौहान

श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों को उर्वरक की जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर सख्ती बरतने के दिए निर्देश

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, शिकायतों का समय पर निवारण हो तथा खरीद सीधे किसानों से हो- श्री शिवराज सिंह चौहान

7 अप्रैल से क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन की जयपुर से होगी शुरूआत- केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक कर किसान आईडी, उर्वरक की उपलब्धता एवं विभिन्न कृषि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि किसान आईडी किसानों को उनकी भूमि, फसल, पशुधन एवं मत्स्य पालन से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। अब तक 19 राज्यों में कुल 9.25 करोड़ किसान आईडी बनाई जा चुकी हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य सरकारों के कृषि एवं राजस्व विभाग संयुक्त रूप से अभियान चलाकर अगले 6 महीनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करें। साथ ही व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसान रजिस्ट्री केवल पीएम-किसान लाभार्थियों तक सीमित न रहे, बल्कि सभी पात्र किसानों को शामिल किया जाए।

उर्वरक उपलब्धता पर चर्चा करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों को खाद की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। राज्यों को जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर सख्ती बरतने के

निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी आधारित न्यायपूर्ण वितरण प्रणाली सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध हो सके, साथ ही असंतुलित उपयोग को रोकने एवं जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया जाए।

सीमा क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि उर्वरक के अवैध आवागमन को रोकना आवश्यक है। हरियाणा के ह्नमेरी फसल मेरा ब्यौराह्न पहल की सराहना करते हुए उन्होंने इसे अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बताया।

पीएम-आशा योजना के अंतर्गत दलहन एवं तिलहन के न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) पर खरीद की समीक्षा भी की गई। श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सरकार दलहन एवं तिलहन की खरीद टरढ पर करती है तथा राज्य इसके दिशा-निदेर्शों के अनुसार भाग लेते हैं।

हाल ही में विभिन्न राज्यों को निम्नलिखित फसलों की खरीद हेतु स्वीकृति प्रदान की गई हैं:

आंध्र प्रदेश (चना, मूंग, उड़द, अरहर, मूंगफली); असम (सरसों); बिहार (मसूर); छत्तीसगढ़ (चना, मसूर, सरसों); गुजरात (चना, सरसों); हरियाणा (चना, सरसों); कर्नाटक (चना, कुसुम); महाराष्ट्र (चना); मध्य प्रदेश (चना); राजस्थान (चना, सरसों); तेलंगाना (चना, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी); उत्तर प्रदेश (चना, मसूर, सरसों)।

केन्द्रीय मंत्री ने निर्देश दिया कि उपज की खरीद सुनिश्चित की जाए। किसानों का पंजीकरण आधार आधारित पोर्टलों पर किया जाए तथा खरीद केंद्रों पर बायोमेट्रिक या फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य किया जाए। भुगतान आधार-सक्षम उह्ल के माध्यम से सीधे किसानों के खातों में किया जाए और साथ ही खरीद केन्द्रों की भी पर्याप्त संख्या हो जिससे किसान भाई-बहनों को समस्याओं का सामना न करना पड़े।

उन्होंने राज्यों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, शिकायतों का समय पर निवारण हो तथा खरीद सीधे किसानों से हो।

क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन पर दी गई ये जानकारी

इसके साथ ही क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन आयोजित करने के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि देश को पांच एग्रो-क्लाइमेटिक जोन में विभाजित कर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके तहत वेस्टर्न जोन के लिए पहला सम्मेलन 7 अप्रैल को जयपुर में आयोजित किया जा रहा है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान (श्डरअ) के बारे में मंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष यह अभियान अत्यंत सफल रहा जिसमें 728 जिलों के 60,000 से अधिक गांवों में वैज्ञानिकों ने किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि पूर्व की सफलता को देखते हुए राज्यों से इस साल भी मई माह में 15ज्ञ20 दिनों का यह अभियान चलाने का आग्रह किया। इसका उद्देश्य लैब टू लैंड कनेक्ट को मजबूत करना, नई तकनीकों, किस्मों एवं कृषि पद्धतियों का प्रसार करना है।

इस अभियान में Indian council of agricultral research एवं कृषि मंत्रालय का सहयोग रहेगा तथा राज्यों द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। प्राथमिकता के क्षेत्रों में मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक उपयोग, गुणवत्तापूर्ण बीज के प्रति जागरूकता शामिल हैं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने बैठक के अंत में कहा कि किसानों को उचित मूल्य, पारदर्शी खरीद प्रणाली एवं प्रभावी वितरण तंत्र सुनिश्चित करना राज्यों की प्राथमिक जिम्मेदारी है जिससे कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाया जा सके। इस वर्चुअल बैठक में बिहार, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, हरियाणा, उत्तराखंड एवं मध्य प्रदेश के कृषि मंत्रियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बिजुआ में उच्चस्तरीय टीम ने गन्ना बुवाई का निरीक्षण किया

बिजुआ खीरी।स्थानीय गुलरिया चीनी मिल ने बसंतकालीन गन्ना बुवाई का स्थलीय निरीक्षण करने के लिए एक उच्चस्तरीय टीम ने बिजुआ के ग्राम भानपुर-कलां का दौरा किया। इस टीम में अपर गन्ना आयुक्त (क्रय) विश्वेश कनौजिया, उप गन्ना आयुक्त, परिक्षेत्र-लखनऊ राजेशधर द्विवेदी और जिला गन्ना अधिकारी, लखीमपुर-खीरी वेदप्रकाश शामिल थे।

टीम ने किसानों के प्रदर्शन प्लाटों का गहन निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद कृषकों से विस्तृत चर्चा की। इस दौरान ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, गुलरिया आशुतोष मधुकर, सहकारी गन्ना समिति भीरा सचिव जगपाल सिंह, चीनी मिल के मुख्य महाप्रबंधक योगेश कुमार सिंह, महाप्रबंधक (गन्ना) अनिल कुमार

सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और क्षेत्र के किसान भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान, उच्चस्तरीय टीम ने आरक्षित गन्ना बीज वितरित करने वाले किसानों से भी बात की। ग्राम नौगवां के रूपनरायन, पड़रियातुला के प्रेम गुप्ता, लौकहा के सतनाम सिंह और भदेड़ के शुभकरन लाल जैसे किसानों से को0शा0-13235, को0-15023 और को0-0118 जैसी गन्ना प्रजातियों के बीज की उपलब्धता पर जानकारी ली गई। किसानों ने बताया कि उन्होंने उन्नतशील गन्ना बीज वितरित कर दिया है। टीम ने गन्ना बीज प्राप्तकर्ता किसानों से संबंधित जानकारी के लिए सीड मूवमेंट प्लान रजिस्टर का भी निरीक्षण किया। चीनी मिल द्वारा दिए जाने वाले बीज प्रीमियम के संबंध में भी किसानों के साथ विस्तृत चर्चा की गई।

नौकरी के नाम पर करोड़ों की ठगी, पुलिस ने आरोपी को दबोचा, कैश व दस्तावेज बरामद।

(एजेंसी)।

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश। थाना शक्तिनगर के बीना पुलिस चौकी क्षेत्र बिना पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम जमशिला स्थित बस स्टैंड पर नौकरी दिलाने के नाम पर बड़े पैमाने पर पैसे वसूलने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी तेज बहादुर सिंह को मंगलवार रात करीब 8:00 बजे उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया। इससे नौकरी के लिए पैसा देने वालों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, तेज बहादुर सिंह एक प्राइवेट कंपनी में लाइजनिंग का कार्य करता था और एनसीएल सिंगरौली की विभिन्न परियोजनाओं में आउटसोर्सिंग के माध्यम से चालकों की भर्ती प्रक्रिया में शामिल था। हाल ही में दिल्ली की मेसर्स एवरेस्ट ह्यूमन रिसोर्स कंसलटेंसी को करीब 30 करोड़ रुपये का टेंडर मिला था, जिसके

तहत 328 संविदा चालक पदों पर भर्ती की जानी थी। इसी भर्ती प्रक्रिया के दौरान पिछले 15 दिनों से बस स्टैंड स्थित कार्यालय एवं आवास पर अभ्यर्थियों से बायोडाटा, पुलिस वेरिफिकेशन, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज जमा कराए जा रहे थे। आरोप है कि अभ्यर्थी 60 से 70 हजार रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही थी। अनुमान है कि कुल वसूली 1.5 से 2 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। शिकायत मिलने पर थाना प्रभारी शक्तिनगर कमलनयन दुबे ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छापेमारी की, जिसमें आरोपी के पास से नकदी और महत्वपूर्ण कागजात बरामद किए गए। पूर्व कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी देकर पैसे वसूले जा रहे थे। कहा जा रहा था कि जो अधिक पैसा देगा, उसी को काम पर रखा जाएगा, जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश की जा रही है। थानाध्यक्ष कमलनयन दुबे ने स्पष्ट किया कि नौकरी के नाम पर ठगी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही यह भी आश्वासन दिया कि जिन लोगों से पैसे वसूले गए हैं, उन्हें राशि वापस दिलाई जाएगी और पूर्व में कार्यरत कर्मचारियों को नौकरी से नहीं हटाया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और पीड़ितों को न्याय की उम्मीद जगी है।

एलडीए के कागजी शेर, डालीगंज में कानून रौंद रहे बिल्डर, अधिकारी बजा रहे भ्रष्टाचार का डमरू!

नोटिस का शोर और सीलिंग पर मौन, जोन-4 में एलडीए की कमीशन वाली नींद!

(एजेंसी)।

लखनऊ। नवाबों के शहर में अब एक नया अजूबा देखने को मिल रहा है, हवा में उड़ते नोटिस और जमीन पर तनते अवैध महल, मामला लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-4 का है, जहाँ के अधिकारी सरकार से वेतन तो वफादारी का लेते हैं, लेकिन उनकी असली निष्ठा बिल्डरों के चरणों में नतमस्तक नजर आती है।

डबल इंजन की सरकार में डबल सैलरी का खेल, सरकार से वेतन, बिल्डर से बोनस!

डालीगंज के चर्च रोड वाले इलाके में अवैध निर्माण की शिकायत क्या हुई, मानो अधिकारियों ने अपनी कलम की स्याही से बिल्डरों के लिए सुरक्षा कवच ही लिख दिया। पूर्व में तैनात अवर अभियंता हेमंत कुमार की रिपोर्ट को देखिए, क्या कलाकारी दिखाई है! कागजों पर निरीक्षण हो गया, धाराएं लग गईं, और चालान की आख्या भी डिजिटल तरीके से न्यायालय भेज दी गई। लेकिन धरातल पर? तो बिल्डर कानून के गाल पर तमाचा जड़ते हुए ईंट पर ईंट चढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार पर बुलडोजर चलाने की बात करते हैं, लेकिन जोन-4 के अधिकारियों ने शायद अपना अलग ही बुलडोजर पाल रखा है, जो केवल गरीबों की झोपड़ियों तक जाता है। बिल्डरों के व्यवसायिक निमार्णों तक थक जाता है। मुख्यमंत्री पोर्टल की शिकायतों का निस्तारण यहाँ जादूगरी के जरिए किया जाता है। शिकायतकर्ता को बताया जाता है कि कार्रवाई हो रही है, जबकि बिल्डर अधिकारियों की जेबों की खनक के दम पर नियमों को अपने पैरों तले रौंद रहा है।

हैरत की बात तो यह है कि बिजली विभाग और पुलिस को पत्र भेजने की रस्म भी अदा कर दी जाती है। लेकिन लगता है कि इन अवैध इमारतों की बिजली सीधे अधिकारियों के आशीर्वाद से जल रही है। नियम और कानून शायद केवल उन बेचारों के लिए हैं जिनकी पहुंच साहब के दफ्तर तक नहीं है। यहाँ तो 2025 में नोटिस कटा और 2026 आ गया, लेकिन सीलिंग की कार्रवाई का रास्ता शायद अधिकारी अभी तक गूगल मैप पर ढूँढ रहे हैं।

क्षेत्र में चर्चा है कि प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी एवं सहायक अभियंता और अवर अभियंता ये अधिकारी बड़े भाग्यशाली हैं, इन्हें महीने के अंत में सरकारी खजाने से वेतन मिलता है और महीने भर बिल्डरों से बोनस, भ्रष्टाचार की यह जीती-जागती मिसाल डालीगंज में चीख-चीख कर कह रही है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण अब विकास कम और विनाश के सौदे ज्यादा कर रहा है।

जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं और वरिष्ठ अधिकारी मौन व्रत धारण कर लें, तो जनता यही पूछेगी, ये भ्रष्टाचार का प्रतीक खड़ी इमारतें किसकी सफलता का जश्न मना रही हैं? सिस्टम की या उस जेब की जो कभी भरती ही नहीं?

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने वित्त वर्ष 2026 में 63.69 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की।

वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में 9% की वृद्धि हासिल की

01 अप्रैल 2026: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. ने मार्च 2026 में कुल 5,49,145 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो मार्च 2025 के मुकाबले 29% की मजबूत वृद्धि दशार्ती है। इस अवधि में 5,12,303 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 36,842 यूनिट्स का निर्यात शामिल है।

मार्च के इस प्रदर्शन ने एचएमएसआई को वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल 2025 झ मार्च 2026) को मजबूत स्तर पर समाप्त करने में मदद की। कंपनी ने कुल 63,69,504 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जिसमें 57,49,275 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 6,20,229 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में 9% की वृद्धि दर्ज की, जो ग्राहकों की लगातार मांग, बेहतर होते बाजार माहौल और प्रमुख सेगमेंट्स में अपनी मौजूदगी मजबूत करने पर एचएमएसआई के निरंतर फोकस को दशार्ता है।

यह वर्ष घरेलू और निर्यात बाजारों में संतुलित प्रदर्शन का गवाह रहा, जिसे मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और गुणवत्ता, विश्वसनीयता तथा ग्राहक संतुष्टि पर निरंतर फोकस का समर्थन मिला।

एचएमएसआई अपने 7000 से अधिक टचपॉइंट्स के माध्यम से ग्राहकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने वाले उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हुए अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एचएमएसआई में, मोबिलिटी केवल परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि लोगों को सशक्त बनाने, समुदायों को जोड़ने और जीवन को बेहतर बनाने का एक माध्यम है। हमारा हर प्रोडक्ट मोबिलिटी को अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और सुलभ बनाने की दिशा में एक कदम है, ताकि देश के करोड़ों लोग आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा कर सकें।

यह हमारे ह्यूसेफ्टी फॉर एवरीवनह्व विजन के अनुरूप है, जो केवल राइडर्स ही नहीं बल्कि पैदल यात्रियों, समुदायों और पूरे रोड इकोसिस्टम को भी शामिल करता है।

लोगों को हर कार्य के केंद्र में रखते हुए, होंडा केवल एक ब्रांड नहीं बल्कि भारत की विकास यात्रा में एक मजबूत साझेदार के रूप में खड़ा है। हमारा भविष्य के प्रति संकल्प एक सुरक्षित और हरित कल की दिशा में हमारे प्रयासों में स्पष्ट रूप से झलकता है।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया 05 अप्रैल को स्टार-स्टडेड चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स 2026 का सीधा प्रसारण करेगा

मुंबई, :सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (रढठक) एक बार फिर लाइव अवॉर्ड्स की कल्चर को स्क्रीन पर वापस ला रहा है, जब चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स 2026 का लाइव टेलीकास्ट 05 अप्रैल 2026 को रात 8:00 बजे कऱळ(भारतीय मानक समय) सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन (रएळ) और सोनी लिव पर होगा।भारतीय सिनेमा और स्टोरीटेलिंग के सबसे भरोसेमंद सम्मान के तौर पर पहचाने जाने वाले स्क्रीन अवॉर्ड्स, फिल्ममेकिंग में उत्कृष्टता का जश्न मनाते हैं और उन क्रिएटिव टैलेंट्स को स्पॉटलाइट में लाते हैं जो इंडस्ट्री को आगे बढ़ा रहे हैं। इस साल का एडिशन बेहद स्टार-स्टडेड होगा, जिसमें होस्ट्स की पावरहाउस लाइन-अप शामिल है आलिया भट्ट, फराह खान, सुनील ग्रोवर और जाकिर खान। यह मंच सिनेमा, म्यूज़िक, कॉमेडी और पॉप कल्चर की दुनिया को एक साथ लाएगा।

पहली बार इस प्रॉपर्टी को एक साथ लीनियर टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव अनुभव किया जाएगा। रएळ और सोनी लिव पर टेलीकास्ट के साथ-साथ स्क्रीन अवॉर्ड्स का लाइव प्रसारण यूट्यूब चैनल पर भी होगा, जिससे यह और बड़े डिजिटल-नेटिव ऑडियंस तक पहुंचेगा। इसके अलावा 07 अप्रैल 2026 को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के यूट्यूब चैनल पर भी उपलब्ध होगा।रढठक अपने लीनियर और डिजिटल इकोसिस्टम की ताकत का इस्तेमाल करते हुए इस अवॉर्ड शो को एक

हाई-इम्पैक्ट, रियल-टाइम कल्चरल मोमेंट में बदलना चाहता है—ताकि दर्शकों को बड़े पैमाने पर एंगेजमेंट और एंटरटेनमेंट मिले।

टिप्पणियाँआलिया भट्ट, अभिनेत्री, ने कहा, "सिनेमा मतलब डिटेल्स और वो एक फ्रेम जो पूरी कहानी बता देता है। लेकिन ऑडियंस तो मैजिक देखने आती है ना बड़े पर्दे पर बड़े-बड़े स्टार्स का मैजिक। हाँ, पर वो मैजिक बनता कैसे है? लाइटर्स की वजह से, सिनेमैटोग्राफर्स की वजह से। ये सब मिलके करते है न मैजिक, दोनों साथ में सेलिब्रेट होने वाले हैं चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स पर, 5 अप्रैल, रात 8:00 बजे, लाइव सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन (रएळ) और सोनी लिव ह्वनचिकेत पंतवैद्य, चीफ कंटेंट ऑफिसर, सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया, ने कहा, "सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया में हमें बेहद खुशी है कि हम लाइव अवॉर्ड्स की मजबूत संस्कृति को फिर से अपनी स्क्रीन पर ला रहे हैं। स्क्रीन अवॉर्ड्स को लाइव लाकर हम दर्शकों को एक रियल-टाइम सेलिब्रेशन देना चाहते हैं, ताकि वे अपने घरों में आराम से बैठकर सिनेमा के सबसे बड़े पलों का अनुभव कर सकें। यह स्टार-स्टडेड शो सिर्फ एक अवॉर्ड सेरेमनी नहीं है, बल्कि एक हाई-इम्पैक्ट एंटरटेनमेंट प्रॉपर्टी है, जिसमें ऐसे मोमेंट्स होंगे जो दर्शकों को लगातार एंगेज रखेंगे। हमें गर्व है कि हम स्क्रीन अवॉर्ड्स के साथ जुड़े हैं, क्योंकि यह ऑथेंटिसिटी और क्रेडिबिलिटी को परिभाषित करता है, जो सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के ब्रांड विजन से पूरी तरह मेल खाता है ह्व

अनंत गोयनका, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप, ने कहा, "चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स 2026 उस स्केल को दशार्ता है जिस पर हम आज अपने दर्शकों से जुड़ना चाहते हैं—एक ऐसे समय में जब कंटेंट कंजम्प्शन तेजी से डिजिटल-फर्स्ट और प्लेटफॉर्म-एग्नॉस्टिक हो गया है। ऑडियंस चाहती है कि ऐसे पलों का अनुभव उन्हें रियल-टाइम में मिले, अलग-अलग स्क्रीन पर और अपने हिसाब से। एक मजबूत मल्टी-प्लेटफॉर्म डिस्ट्रीब्यूशन स्ट्रैटेजी और सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया जैसे भरोसेमंद पार्टनर्स के साथ हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि यह सिनेमा का जश्न करोड़ों लोगों तक सार्थक तरीके से पहुंचे। चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स की सबसे बड़ी खासियत है इसकी क्रेडिबिलिटी, जो स्क्रीन अकादमी के सख्त और पारदर्शी प्रोसेस से आती है। जैसे ही हम इन अवॉर्ड्स को लाइव मल्टी-प्लेटफॉर्म पर ले जा रहे हैं, हमारा फोकस वही रहेगा—सिनेमा की उत्कृष्टता को उसी ईमानदारी और इंटेग्रिटी के साथ पहचानना, जैसा कि इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप से जुड़ा हुआ है ।ह्वअवाड्र्स की पहुंच और विज़िबिलिटी को और बढ़ाने के लिए अडानी एयरपोर्ट्स डडल्ट पार्टनर के रूप में जुड़ा है, जबकि द अवॉर्ड गैलरी ट्रॉफी पार्टनर के तौर पर साथ आया है।

चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स 2026 लाइव देखिए सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन, सोनी लिव और स्क्रीन अवॉर्ड्स के यूट्यूब चैनल पर, 05 अप्रैल 2026, रात 8:00 बजे कऱळ।

देश का कोई भी उद्योग कल - कारखाना ऐसा नहीं बचा है जिसमें ठेका श्रमिकों का सहयोग नहीं .. बीएमएस।

नवीन कार्यकारिणी में बीएमएस के मनोज सिंह क्षेत्रीय अध्यक्ष पवन कुमार महामंत्री

(एजेंसी)।

बीना (सोनभद्र)। भारतीय कोयला खदान मजदूर बीना सोनभद्र उत्तर प्रदेश का साधारण सभा अधिवेशन ऑफिसर्स क्लब कृष्णशीला में मंगलवार को प्रारंभ हुआ। सत्र की अध्यक्षता अरुण दुबे ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन अनुपम संगठन मंत्री द्वारा किया गया अपने उदबोधन में संगठन से समाज का निर्माण एवं वर्तमान परिवेश में अपने जीवन शैली को स्वयं रखते हुए एक अच्छा परिवेश का निर्माण हम सब कर सकते हैं भारतीय मजदूर संघ केवल कर्मचारियों के हित के बारे में ही नहीं सोचता बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति को भी ऊपर उठने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है वक्त के रूप में सहकोल प्रभारी सुधीर घुरड़े ने वर्तमान परिवेश में कोयला उद्योग की स्थिति एवं घटती श्रम शक्ति पर चिंता जाहिर करते हुए कोल इंडिया से संबंधित बिंदुओं को प्रतिनिधि सभा में रखा गया प्रदेश महामंत्री अनिल उपाध्याय जी ने कहा कि आज देश का कोई भी उद्योग ऐसा नहीं बचा है जिसमें ठेका श्रमिकों का सहयोग नहीं है लेकिन ठेका श्रमिकों की स्थिति को सुधारने के लिए भारतीय मजदूर संघ अहरनीश प्रयास कर रहा है यह हमारी नैतिक

जिम्मेदारी है कि हम सब श्रमिक के दर्द को समझते हुए उसके अनुरूप सहयोग कर उनके जीवन शैली में सुधार कर सकें अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ नागपुर महामंत्री सुजीत कुमार सिंह ने बताया की कोयला वेतन समझौता आने वाला है उसके लिए अभी से हम सबको तैयार रहना पड़ेगा कोल इंडिया के विभिन्न सब्सिडियरी एवं एनसीएल के कार्य शैली का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा उत्पादन उत्पादकता करना सभी का लक्ष्य है लेकिन अनेक असमानताएं हैं कोड बिल की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया दो कोड बिल अच्छे हैं तथा दो कोड बिल का भारतीय मजदूर संघ पुरजोर विरोध कर रहा है तथा इसका लिखित ड्राफ्ट तैयार करके संगठन द्वारा श्रम मंत्रालय को दिया गया है विशेश्वर राय अध्यक्ष ने भी अपने विचार प्रकट किया कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में चुनाव अधिकारी अनिल कुमार उपाध्याय प्रदेश महामंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा नवीन कार्य समिति की घोषणा की गई जिसमें मनोज कुमार सिंह एरिया अध्यक्ष पवन कुमार शर्मा महामंत्री पी एल पटेल कोषाध्यक्ष सहित अच्छे पदाधिकारी एवं कार्य समिति सदस्य की घोषणा की गई जिस पर प्रतिनिधि सभा/अधिवेशन में उपस्थित सभी सदस्यों ने भारत माता की जय उद्घोष के साथ सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया अंत में मनोज कुमार सिंह क्षेत्रीय अध्यक्ष द्वारा सभी मंचासीन पदाधिकारी एवं अधिवेशन में उपस्थित सभी कार्यकताओं पर उच्च एवं परोक्ष रूप से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिसने भी योगदान दिया है उन सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

बाइक सवार लुटेरों ने वृद्ध महिला को बनाया निशाना, नाक की पोंगी छीनकर फरार

खखरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े लूट की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। दरियापुर पुल के पास बाइक सवार बदमाशों ने बैंक जा रही वृद्ध महिला को निशाना बनाते हुए उनकी नाक में पहनी सोने की पोंगी छीन ली। छीना-झपटी के दौरान महिला घायल होकर सड़क पर गिर पड़ी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशनपुर थाना क्षेत्र के गाजीपुर गांव निवासी बरकतुन निशा पत्नी अजमत अली बुधवार सुबह करीब 11 बजे पैदल खखरेरू थाना क्षेत्र के शिवपुरी गांव स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा, में पैसा निकालने जा रही थीं। रास्ते में बाइक सवार दो युवक उनके पास पहुंचे और भैंस खरीदने का बहाना बनाकर बातचीत करने लगे। इसी दौरान पीछे बैठे बदमाश ने मौका पाकर महिला की नाक में पहनी लगभग तीन ग्राम वजनी सोने की पोंगी झपट्टा मारकर निकाल ली। अचानक हुए हमले से महिला सड़क पर गिर पड़ी, जिससे उनकी नाक में गंभीर चोट आ गई। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में खखरेरू थाना के प्रभारी निरीक्षक विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि मामले की तहरीर प्राप्त हो गई है और जांच कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

एनटीपीसी के फैसले पर भड़की जनता, यूपीपीसीएल थोपने के विरोध में सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

(एजेंसी)।

बीजपुर (सोनभद्र)। एनटीपीसी रिहन्द क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को लेकर अब जनआक्रोश खुलकर सामने आने लगा है। सोमवार को समृद्धि जन कल्याण ट्रस्ट के बैनर तले स्थानीय लोगों ने एनटीपीसी प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एजीएम (एचआर) राजेश गोईपोइ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से एनटीपीसी की मौजूदा विद्युत व्यवस्था को हटाकर जबरन यूपीपीसीएल को लागू करने के प्रस्ताव का जोरदार विरोध दर्ज कराया गया।

आरोप लगाया कि इतना बड़ा और जनहित से जुड़ा फैसला बिना स्थानीय जनता को विश्वास में लिए लिया जा रहा है, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है। ग्रामीणों ने साफ कहा कि वे वर्षों से

एनटीपीसी द्वारा संचालित बिजली व्यवस्था से संतुष्ट हैं और किसी भी तरह का थोपे गए बदलाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक के दौरान उरफ से जुड़े स्थानीय मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। इस पर एजीएम (एचआर) राजेश गोईपोइ ने आश्वासन दिया कि शांतिनगर रोड मार्केट में सब्जी मंडी के लिए शेड, पेयजल सुविधा और पुनर्वास क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को शीघ्र पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन कार्यों के लिए संबंधित ग्राम प्रधान द्वारा लिखित प्रस्ताव देना आवश्यक होगा।

हालांकि, ट्रस्ट के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि एनटीपीसी प्रबंधन ने अपना निर्णय वापस नहीं लिया, तो क्षेत्र की जनता सड़कों पर उतरकर व्यापक आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगी।

इस दौरान सिद्धार्थ गुप्ता, जावेद, गोपाल गुप्ता, सुदर्शन पाल, काशी गुप्ता, विश्राम सागर, रूपेश कुमार, भागीरथी मौजूद रहे।